

64/14

मुद्रांक ६८०००/-

6290

5000Rs.



संकेतित किंवा २२ के अन्तर्गत जोडावाचक
 कानूनबाही इत्यादि की ४६०००/- की
 की बाह्य की २२०००/- की
 अनुसूची-२(क) : २२०००/- की
 प्रमाण प्रमाण : २२०००/- की
 त्रिभुज का किंवा २२०००/- की

25/11/12

निम्नलिखित मुद्रांक के अन्तर्गत है।
 मी० का० धनबाद के शाखा-
 2037 दिनांक- 8.10.02
 नो-67 & 66 at 25/11/12
 34 समाप्ति शरीर के दस्तावेज
 शाखा धनबाद के शाखा-2002(मु.)
 दि. 18/11-02 द्वारा धनबाद में जारी।

for Indian Stamp Act 5720/-

:- बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज :-

3400/-
2150/-

बिक्रेता :- श्री राम करण सिंह, पिता श्री कमला सिंह, जाति-राजपुत,
 पेशा-नौकरी, सा किम-बैंकमोड़, थाना-बैंकमोड़, जिला-धनबाद, {भारतीय} ।

face value

for 1360.00
 (50) 45.00
 1405.00
 2.350
 94
 3.44
 408.40

क्रेता :- श्री भगवान प्रसाद, पिता स्व० सतन राउत, जाति- कुर्मी,
 पेशा- नौकरी, स्थायी पता :- फलपुरा, पो०-वनचौरा, जिला-सिवान,
 {बिहार}, हाल सा किम-33/11, के.भी.पावर सव स्टेशन आमाघटा,
 थाना-गोबिन्दपुर, जिला-धनबाद, {भारतीय} ।

बिक्रय पत्र {केवाला दस्तावेज} ।

मुल्य-68,000/- {अड़सठ हजार रुपया मात्र} ।
 सलाना मालगुजारी-30 पैसा {तीस पैसा} मात्र ।
 अंचल कार्यालय धनबाद.मालिक जमीन्दार झारखंड सरकार ।

Signature

25/11



/ 2 -:

बिबरण जायदाद :- जिला अवर निबंधन कार्यालय धनबाद, थाना -
 धनबाद, अन्तर्गत "कोलाकुशमा" मौजा में मेरा काथेमी रेयती स्वत्व
 की सम्पत्ति है, मौजा-कोलाकुशमा, मौजा नं०-12, खाता नं०-75,
 प्लोट नं०-249, १दो सौ उनपचास १ रकवा-2, काट्टा 14 छटाक,
 यानि-4.74 डिसमिल जमीन इस केवाला दस्तावेज द्वारा बिक्री किया ।

जिसका चौहद्दी :-

उत्तर- प्लोट नं०-250,

दक्षिण- 15 फीट का प्रस्तावित रास्ता ।

पूरब- प्लोट नं०-249,

पश्चिम- मंजू देबी, आज ही का खरिदा ।

Shri. Prasad



21/11/2018
8 5 11 2018

:- 3 -:

मुल एवं द्वितीयक दस्तावेज के साथ एक-एक प्रतिलिपि नक्शा नत्थी किया गया है, एवं बिक्रीत स्थान को लाल रंग से रंगाकर दर्शाया गया है ।

उक्त सम्पत्ति बिक्रेता का अपने नाम से खरीदा सम्पत्ति है, जिसका दलील नं०-4147, दिनांक-3.8.1995 है, जो पहलाद मंडल, एवं अन्य से खरीद किया है, जो धनबाद निबंधन कार्यालय में निबंधीत है ।

उपरोक्त सम्पत्ति बिक्री हेतु ज्ञापांक-202, सु. दिनांक-18.11.02, को शहरी भु-हदबन्दी उप-समाहर्ता धनबाद, से अनापत्ति निर्गत किया गया है ।

Dhyan Prasad
.....4



:- 4 -:

उक्त-सम्पत्ति अंचल कार्यालय धनबाद, का ज्ञापक-3037,
दिनांक-8.10.02, के द्वारा भु-सत्यापन एवं मूल्य निर्धारण किया
गया है ।

चुंकि बिबरण यह है कि बिक्रेता को सांसारिक खर्च के लिए
रुपये की अति आवश्यकता आ पड़ी है । इसलिए बिबरण में दिये
गये जायदाद बिक्री किये बिना रुपये की बन्दोवस्त होना कठीन था ।
इसलिए उपरोक्त जायदाद को बिक्री करने की घोषणा कि एवं क्रेता
से प्रार्थना करने पर बिबरण में दिये गये जायदाद खरीदने को राजी
हुवें, एवं दोनो पक्षो की मशवारा से उक्त जायदाद की मूल्य-68,000/-
रुपया मात्र लेकर बिबरण में दिये गये जायदाद बिक्री कर हमेशा के
लिए निः स्वत्व हुवें, एवं क्रेता को दखलकार किया तथा दखल दिया ।



:- 5 -:

बिक्रेता का जिसतरह का हक-अख्तियार, दावी-दावा था, आज तारीख से क्रेता को हुआ। क्रेता, जायदाद पर मकान, आंगन, कुँआ, बगान-बगिचादि तैयार कर निज वसवास या किराया बन्दोवस्त कर अपना ईच्छानुसार दान, बिक्री, रेहनादि मनमाना कर सकते हैं। इससे बिक्रेता या बिक्रेता के वंशज को कभी किसी तरह का वजुर या स्तराज न होगा, अगर करें तो कानूनन बातिल और नामंजुर होगा।

उपरोक्त जायदाद का दाखिल-खारिज के संबंध में बिक्रेता को जो कुछ भी क्रेता के मदद करना पड़े वह बिना वजुर करेंगे। बिक्री जायदाद की सलाना मालगुजारी मालिक जमीन्दार झारखंड सरकार -

Postquam besal



21/11/2017
25-11-2017

:- 6 -:

को बराबर अदा देकर बिक्रेता के नाम कटवाकर क्रेता अपना नाम से दाखिल-खारिज करवा कर मालगुजारी की रसीद हासिल करेंगे ।

बिक्री जायदाद बिक्रेता के खास दखल में है, कभी किसी तरह का हस्तान्तरादि नहीं किया हुआ है । अगर भविष्य में किसी तरह का दाय-संयोग या हस्तान्तर आदि पाया जाय और उससे क्रेता या क्रेता के वंशज को क्षति पहुँचे तो बिक्रेता या बिक्रेता के वंशज को क्षति-पूरण का देनदार होगा या होंगे ।

अतः बिक्रेता अपना स्थिरबुद्धि एवं सरलता से बिचार कर मुल्य का पुरा रूपया पाकर एवं समझ-बुझकर यह बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिया कि समय पर काम आवें ।

Bohyan Asaf



25/11/2002
25-11-2002

:- 7 -:

इति तारिख - 25-11-2002

मैंने दस्तावेज का प्रारूप बनाया एवं दोनों

पक्षों को पढ़कर सुनाया एवं समझा दिया ।

Rajendra
Advocate
Dharampur
25/11/2002

प्रमाणित किया जाता है कि मूल

:- गवाहगण -:

दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक

दूसरे कि हूबहू और सच्ची -

प्रतिलिपि है ।

Rajendra
Kumar Singh
Kalekhani

Rajendra
25-11-2002

Vikas Kumar Singh
Neelanchal Colony

3. A. Shil dal Pant
Bank Colony, Ghosia, Delhi
Rajendra

Rajendra
टंककः

R:- SHRI RAM KARAN SINGH S/O KAMLA SINGH RESIDENT
OF BANK MORE DHANBAD.

ENDEE:- SHRI BHAGWAN PRASAD S/O LATE SATAN RAUT
RESIDENT OF FULPURA P.O. CHANCHOURA P.S.
DARAUNDA DIST. SIWAN (BIHAR) AT PRESENT POWER
SUB-STATION AMAGHATA P.S. GOBINDPUR DIST. DHANBAD.

Dist. Dhanbad, Thana Saraidhela (Dhanbad)

Mouza Kalakusma, Mouza No 12

Khata No 75.

Portion of plot No 249.

Area 2 Kathas 14 Chhataks

As shown in red colour

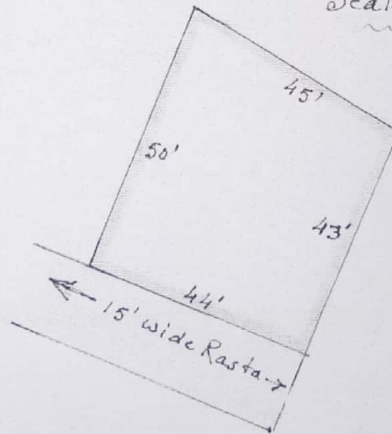
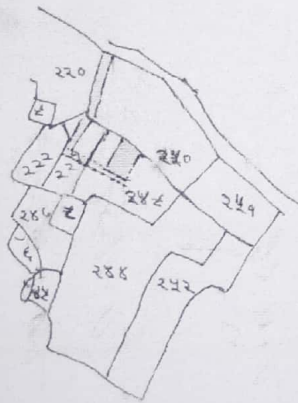
Rasta shown in green colour

Boundary:-

North - Plot No 250
South - 15 feet wide Rasta
East - Plot No 249
West - Manju Devi

PART PLAN OF MOUZA KALAKUSMA No 12

Scale 16 inches = 1 Mile



Scale 1 inch = 33 Feet.

21/11/2011
25-11-2011

Traced by B. N. Singh

Bhagwan Prasad,